वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर परिसर में नव स्थापित

नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र द्वारा

'MISSION DRUG FREE CAMPUS AND SOCIETY'

के अंतर्गत दिनाँक 25-02 ऑक्टूबर, 2023 (जागरूकता सप्ताह) पर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों पर आधारित रिपोर्ट

सहयोगी विभाग/संस्थान

व्यावहारीक मनोविज्ञान विभाग, अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय, उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर

रिपोर्ट प्रस्तुतकर्ता

(डॉ० मनोज कुमार पाण्डेय)
कार्यक्रम समन्वयक एवं
नोडल आफिसर (एंटीनारकोटिक्स ड्रग एवं एडिक्सन)
सहायक आचार्य, व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
मो०: 7007978543
ईमेल : dr.manojkumarpandey@yahoo.com

नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र
वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

उत्तर प्रदेश शासन के पत्र (पत्रांक संख्या : 707/सत्तर-3-2023) दिनाँक 15.03.2023 के अनुपालन में नार्को को-आर्डिनेशन मैकेनिज़्म सेंटर के क्रियान्वयन हेतु दिनाँक 16.03.2023 को मा० कुलपति जी के आदेश के क्रम में युवाओं एवं छात्रों में द्रव्य पदार्थों के सेवन एवं लत से छुटकारा पाने हेतु विश्वविद्यालय परिसर में Drug Addiction and Rehabilitation Centre स्थापित किए जाने की घोषणा की गयी। केंद्र अभी अस्थायी तौर पर व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग में कार्य कर रहा हैं। नार्को कोआर्डिनेशन मैकेनिज़्म सेंटर के क्रियान्वयन में विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों की प्रभावी सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु मा० कुलपति जी के आदेश दिनाँक 16.03.2023 को व्यावहारीक मनोविज्ञान के सहायक आचार्य एवं सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ० मनोज कुमार पाण्डेय को नोडल आफिसर (एंटीनारकोटिक्स ड्रग एवं एडिक्सन) नामित किया गया गया है।

इस सेंटर का कार्य निम्नवत होगा :

i. संचार के विभिन्न माध्यमों से छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों, अभिभावकों इत्यादि को विभिन्न तरह के ड्रग्स के हमारे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्परिणाम से जागरूक करना है तथा ऐसे दुष्परिणाम से प्रभावित लोगों प्राथमिक उपचार तथा पुनर्वास में मदद करना है।
ii. इस क्षेत्र में कार्य कर रही विभिन्न सरकारी/गैरसरकारी संस्थाओं तथा लोगों के सहयोग से जन-2 तक पहुँच कर लोगों को जागरूक करना है।
iii. विश्वविद्यालय, जौनपुर जिले के समाज कल्याण, जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ मिल कर कार्य करने के लिए तैयार है, जिसमें विश्वविद्यालय विभिन्न तरह के जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाओं, मनोवैज्ञानिक परामर्श सुविधा इत्यादि के माध्यम से जन-जन को जागरूक करेगा।
iv. विश्वविद्यालय ऐसी संस्थायें जो इस क्षेत्र में प्रभावी ढंग से कार्य कर रही है, के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर उनके सहयोग से इस क्षेत्र मे प्रभावी कार्य करेगा।
v. विश्वविद्यालय अपने छात्रों एवं शोधार्थी को मादक पदार्थों एवं द्रव्यों के नशे के दुष्परिणाम एवं प्रभावी रोकथाम हेतु शोध, शिक्षण एवं प्रशिक्षण को बढ़ावा देगा।
vi. विश्वविद्यालय अपने छात्रों एवं अन्य गैर सरकारी सामाजिक संगठनों में कार्य कर रहे लोगों के लिए लघु और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों को प्रारभ करेगा, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग प्रशिक्षण प्राप्त कर पाये, इस संदर्भ में विश्वविद्यालय परिसर में लघु पाठ्यक्रम/सर्टिफिकेट प्रोग्राम को प्रारंभ करने की तैयारी की जा रही है।
vii. इस संबंध में विश्वविद्यालय परिसर स्थित Drug Addiction and Rehabilitation Centre के माध्यम से विभिन्न विभागों के संयुक्त तत्वावधान में इस क्षेत्र में कार्य कर रहे विभिन्न संस्थाओं (जैसे Narcotics Control Bureau), पेशेवर लोगों, NGOs इत्यादि के सहयोग से छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं स्थानीय लोगों को जागरूक करने हेतु समय-2 पर विभिन्न कार्यशालाओं, संगोष्ठियों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

केंद्र के द्वारा अब तक की गयी विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियाँ :

- दिनाँक 16.03.2023 को विश्वविद्यालय परिसर स्थित संकाय भवन के कॉनफेरेंस हाल में व्यावहारिक मनोविज्ञान विज्ञान विभाग एवं छात्र अधिष्ठाता कल्याण कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों में विभिन्न तरह के द्रव्य पदार्थों के सेवन एवं व्यसन से रोकथाम करने एवं लोगों को जागरूक करने के लिए ***'SUBSTANCE/DRUG ABUSE AND ADDICTION: Action towards Addiction to Deaddiction'*** विषय पर चर्चा एवं परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रथम चरण: दिनाँक 12-27 जून, 2023 (जागरूकता पखवाड़ा का आयोजन)

■**"समाज में मादक पदार्थों की बढ़ती लत : कारण, प्रभाव एवं उपचार के विविध आयाम"** विषय पर तीन दिवसीय (12-14 जून, 2023) कार्यशाला का आयोजन किया गया।

✓ जिसमें **प्रथम दिन:** संगोष्ठी के माध्यम से आमंत्रित विषय विशेषज्ञों/वक्ताओं द्वारा उपर्युक्त विषय पर विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्रों/शिक्षकों/कर्मचारियों को मादक पदार्थों एवं द्रव्यों के सेवन एवं उसके दुष्परिणाम के बारें में जागरूक किया गया।

✓ **द्वितीय दिन:** उपर्युक्त विषय पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने मिश्रित माध्यम में प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।

✓ **तृतीय दिन:** कार्यक्रम-1 विश्व रकदान दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के रक्त की जांच की गयी, जिसमें आधुनिक जीवन शैली (रहन-सहन, खान-पान, दैनिक दिनचर्या) का हमारे रक्त तथा उससे जुड़ी विभिन्न बीमारियाँ जैसे कैंसर, मधुमेह, रक्तचाप इत्यादि जैसी बीमारियों की जाँच की गयी एवं लोगों को रक्तदान करने हेतु रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उसी दिन कार्यक्रम-2 : विश्वविद्यालय एवं चिकित्सा महाविद्यालय के छात्रों द्वारा उपर्युक्त विषय पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय छात्रों की टीम द्वारा किया गया, जिसमें छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रदर्शनी, नारों एवं व्यक्तिगत संवाद के माध्यम से द्वारा आम जनमानस को जागरूक किया गया।

■दिनाँक: 15.06.2023 को **"असाध्य रोगों के उपचार और रोकथाम में योग की भूमिका"** विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं आस-पास के गाँव के लोगों ने प्रतिभाग किया । इस अवसर पर **योग आचार्य श्री जय सिंह गहलोत, आर्ट ऑफ लिविंग, बैंगलुरु द्वारा लोगों को असाध्य रोगों के रोकथाम हेतु कुछ योग आसन का प्रदर्शन एवं अभ्यास कराया गया।**

■दिनाँक: 16.06.2023 को विश्वविद्यालय परिसर में उपरोक्त विषय पर आधारित एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें उपर्युक्त विषय के विभिन्न पहलुओं को (पोस्टर, फोटोग्राफी एवं स्लोगन इत्यादि) प्रदर्शित किया गया। उसी दिन विश्वविद्यालय एवं आस-पास के क्षेत्र में चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ मिलकर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए देवकली गाँव में जागरूकता रैली को आयोजित किया गया तथा लोगों को मादक पदार्थों एवं द्रव्यों के सेवन और उसके दुष्परिणाम के बारें में जागरूक करने हेतु विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा लोगों को नुक्कड़ नाटक के मंचन द्वारा उपरोक्त विषय पर जागरूक किया गया।

■दिनाँक: 17.06.2023 को **'रन फॉर नॉन एडिक्टिव सोसाइटी'** हेतु हाफ मेराथन कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के विद्यार्थी, खिलाड़ी, शिक्षक, कर्मचारी, एवं प्रशासनिक अधिकारियों से इस मेराथन में प्रतिभाग किया।

■दिनाँक : 18-19 जून, 2023 को विश्वविद्यालय के चयनित छात्रों की एक टीम को **एहसास नशा मुक्ति केंद्र, प्रयागराज** का दो दिवसीय कार्यक्रम के माध्यम से भ्रमण तथा प्रशिक्षण कराया गया। भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को उपर्युक्त विषय पर स्वयं प्रशिक्षण प्राप्त कराना था, जिससे वे प्रशिक्षित होकर और बेहतर तरीके से इस जन-जागरूकता अभियान में अपना सहयोग दे पाये। टीम द्वारा इस दो दिवसीय भ्रमण प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत नशा मुक्ति केंद्र का भ्रमण, कार्यप्रणाली का अवलोकन एवं नशा मुक्ति से संबंधित केंद्र के प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया और अंतिम दिन नशा मुक्ति केंद्र में रह रहे व्यक्तियों एवं नशे से ग्रस्त अन्तःवासियों को एक लघु नाटक के मंचन से उन्हें नशे से किस प्रकार हम्मर परिवार एवं समाज प्रभावित हो रहा है, विषय पर जागरूक किया गया।

■दिनाँक : 18.06.2023 को सायं 5:30 बजे **'योग का हमारे जीवन में महत्व'** विषयक एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता डॉ० ध्रुव राज योगी, योगाचार्य, जिला यज्ञ प्रभारी, पतंजलि योग समिति, जौनपुर रहें। वेबिनार की अध्यक्षता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य जी द्वारा किया गया।

■दिनाँक : 20.06.2023 को मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया, जिसमे विश्वविद्यालय के आस-पास के क्षेत्र के लोगों एवं विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा विभिन्न तरह की बीमारियों एवं उनके उचित उपचार हेतु डॉक्टर की सलाह मुफ़्त में प्राप्त किया गया। उसी दिन दूसरे कार्यक्रम के रूप में नशा-मुक्ति केंद्र का भ्रमण के पश्चात छात्रों के अनुभवों का अन्य छात्रों एवं अभिभावकों को ऑनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से साझा कराया गया तथा लोगों को जागरूक किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एहसास नशा मुक्ति केंद्र, गोरखपुर के निदेशक डॉ० सचिदानंद यादव रहें । लिंक : https://meet.google.com/ups-vzis-jzc

▪दिनाँक : 21.06.2023 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) के उपलक्ष्य में मादक पदार्थों एवं द्रव्यों के दुष्परिणाम से बचने एवं रोकथाम में महत्वपूर्ण युक्ति के रूप में कारगर विभिन्न योग और उसके महत्व को बताने एवं उसे अपने जीवन-शैली में शामिल करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के क्रम में विश्वविद्यालय परिसर पाँच दिवसीय कार्यशाला (21-25 जून) का उद्घाटन किया गया, जिसमें नशा से मुक्ति में कारगर विभिन्न चिकित्सीय उपागम जैसे योग एवं ध्यान, जीवन-शैली, तनाव प्रबंधन, परंपरागत चिकित्सा पद्धति (आयुर्वेद व होमिओपैथी) की भूमिका, नशा का महिला स्वास्थ पर प्रभाव से जुड़ें विषयों को चर्चा, परिचर्चा एवं प्रशिक्षण हेतु रखा गया, जिसमें मिश्रित माध्यम से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।

▪**अभियान के ग्यारहवें** दिन (दिनाँक : 22.06.2023) को मादक पदार्थों एवं द्रव्यों के के सेवन में महत्वपूर्ण कारक के रूप में तनाव से बचने एवं उसके प्रभावी प्रबंधन में महत्वपूर्ण युक्ति के रूप में योग की भूमिका को संदर्भित करती हुई **'तनाव प्रबंधन में योग की भूमिका'** विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया गया, जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में नैदानिक मनोवैज्ञानिक पायल गुप्ता, वाराणसी तथा तनाव प्रबंधन में महत्वपूर्ण युक्ति के रूप में प्रचलित कुछ प्रमुख योग अभ्यास के प्रशिक्षण देने हेतु प्रशिक्षक के रूप में आर्ट ऑफ लिविंग, बंगलुरु से श्री राजेन्द्र प्रताप सिंह जी रहें।

▪दिनाँक : 23.06.2023 को मादक पदार्थों एवं द्रव्यों के के नशे से रोकथाम एवं उपचार में महत्वपूर्ण युक्ति के रूप में परंपरागत चिकित्सा पद्धति को संदर्भित करती हुई **'मादक पदार्थों एवं द्रव्यों के दुष्परिणाम से बचने एवं रोकथाम में परंपरागत चिकित्सा पद्धति (होमियोपैथी एवं आयुर्वेद) का योगदान'** विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया गया, जिसमें विषय विशेषज्ञ एवं मुख्य अतिथि के रूप में काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के आयुर्वेद विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० ओ० पी० सिंह जी एवं होमियोपैथी विशेषज्ञ के रूप में डॉ० पुनीत सिंह जी, विश्वविद्यालय स्वास्थ केंद्र प्रभारी और नशा मुक्ति हेतु योग अभ्यास देने हेतु प्रशिक्षक के रूप में आर्ट ऑफ लिविंग, बंगलुरु से श्री राजेन्द्र प्रताप सिंह रहें।

▪दिनाँक : 24.06.2023 को **'जीवन-शैली से जुड़े रोग एवं रोकथाम में योग की भूमिका'** पर आधारित था। उपर्युक्त विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि व वक्ता के रूप में आर्ट ऑफ लिविंग की वरिष्ठ योग प्रशिक्षका एवं शिक्षिका सुश्री स्वाती सरकार एवं विशिष्ट वक्ता के रूप में डॉ० मनोज कुमार पाण्डेय, सहायक आचार्य, व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर रहें।

▪दिनाँक : 25.06.2023) **'नशा/व्यसन का महिलाओं के स्वास्थ पर प्रभाव एवं रोकथाम में योग की भूमिका'** पर आधारित था। उपर्युक्त विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि व वक्ता के रूप में डॉ० सरिता पाण्डेय, स्त्री रोग विशेषज्ञ, उमानाथ सिंह राज्य स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर तथा विशिष्ट अतिथि व वक्ता के रूप में आर्ट ऑफ लिविंग की वरिष्ठ योग प्रशिक्षिका निहारिका श्रीवास्तव जी रही।

▪नशा मुक्ति अभियान के तहत दिनाँक 26.06.2023 को अंतराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर जौनपुर जनपद स्थित उमा नाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में ***'नशा के विरुद्ध एक जंग'*** विषय पर मिशन ड्रग फ्री कैंपस एंड सोसाइटी कार्यक्रम के अंतर्गत नशा मुक्त समाज व अंतराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के रूप में 26 जून के अवसर पर छात्र, शिक्षकों व चिकित्सको द्वारा शैक्षणिक संस्थाओं, समाज एवं राष्ट्र को नशामुक्त बनाने व नशीली दवाइयों के दुरुपयोग से रोकथाम हेतु जन जागरुकता कार्यक्रम एवं वृहद हस्ताक्षर और संकल्प आभियान चलाया गया।

▪जागरूकता पखवाडा कार्यक्रम के समापन सत्र में दिनाँक 26.06.2023 को, समाज के ऐसे रोल माडल, जिन्होंने अपने संयमित जीवन शैली से मादक पदार्थों एवं द्रव्यों के सेवन से दूर अपने को अभी तक बचाए रखा है तथा ऐसे लोग जिन्होंने इन मादक पदार्थों एवं द्रव्यों के नशे से सफलतापूर्वक छुटकारा पाया अथवा लोगों को दिलाया है, विश्वविद्यालय द्वारा ऐसे लोगों को पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्रम एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। समापन में मुख्य अतिथि के रूप में जौनपुर के जिलाधिकारी श्री अनुज कुमार झा जी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो० शिव कुमार, प्राचार्य, मेडिकल कॉलेज जी रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो० निर्मला एस० मौर्य, मा० कुलपति जी, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर जी द्वारा किया गया। स्वयं को नशा से मुक्ति एवं नशा मुक्त परिसर एवं समाज हेतु विश्वविद्यालय परिसर में हवन-पूजन, हस्ताक्षर तथा शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

'MISSION DRUG FREE CAMPUS AND SOCIETY' एवं नशा-मुक्त भारत के तहत

दिनाँक 25 September- 02 October, 2023 (जागरूकता सप्ताह)

के अधीन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किये गये विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ

दिनाँक	समय	स्थान	प्रस्तावित कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ
5.09.2023	2 .00-4.00 PM	आर्यभट्ट सभागार	**प्रथम कार्यक्रम : "समाज मे मादक पदार्थों की बढ़ती लत : कारण, प्रभाव एवं उपचार के विविध आयाम"** विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया जायेगा, जिसमें उपर्युक्त विषय पर विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्रों/शिक्षकों/कर्मचारियों को मादक पदार्थों एवं द्रव्यों के सेवन एवं उसके दुष्परिणाम के बारें में जागरूक किया जायेगा। **द्वितीय कार्यक्रम : 'एक जंग नशे के विरुद्ध'** एवं **'Say Not to Drug'** हेतु प्रतिभागियों को शपथ दिलाया गया।
26.09.2023	2 .30-4.30 PM	व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग	**प्रथम कार्यक्रम : "समाज मे मादक पदार्थों की बढ़ती लत : कारण, प्रभाव एवं उपचार के विविध आयाम"** विषय पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागी मिश्रित माध्यम में प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। **द्वितीय कार्यक्रम :** नारा-लेखन एवं काव्य-पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
27.09.2023	2 .30-4.30 PM	सिद्दिकपुर स्थित मा० काशीराम आवासीय परिसर	विश्वविद्यालय एवं चिकित्सा महाविद्यालय के छात्रो द्वारा उपर्युक्त विषय पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा लिए गोद लिए गए गाँव में किया गया, जिसमें छात्रों द्वारा लघु-नाटक के मंचन द्वारा आम जनमानस को जागरूक किया गया।
28.09.2023	2.00-4.00 PM	व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग	विश्वविद्यालय, चिकित्सा महाविद्यालय एवं जिले के अन्य विद्यालयो एवं महाविद्यालय के छात्रो हेतु उपर्युक्त विषय पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें कोलाज मैकिंग प्रतियोगिता, पोस्टर मैकिंग, रील/शॉर्ट विडियो मैकिंग प्रतियोगिता प्रमुख है।
29.09.2023	1.00-3.00 PM	मेडिकल कॉलेज, जौनपुर	**प्रथम कार्यक्रम: 'एक जंग नशे के विरुद्ध'** एवं **'Say Not to Drug'** हेतु प्रतिभागियो एवं चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के कर्मचारियों एवं आने वाले रोगियों एवं उनके परिवार को जनजागरूकता अभियान, शपथ दिलाना एवं **द्वितीय कार्यक्रम : 'एक जंग नशे के विरुद्ध'** एवं **'Say Yes to Life… Not to Drug'** हेतु प्राचार्य महोदय, मेडिकल कॉलेज के नेतृत्व में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।
30.09.2023	7.00-8.00 AM	जिला मुख्यालय, जौनपुर	**प्रथम कार्यक्रम : 'रन फॉर नॉन एडिक्टिव सोसाइटी'** हेतु मेराथन दौड़ कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन, जौनपुर के सहयोग से किया जायेगा, जिसमें जिले के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों के शिक्षकों, छात्रों, अभिभावकों, कर्मचारियों, एवं प्रशासनिक अधिकारियों से इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने हेतु आमंत्रित किया गया। **द्वितीय कार्यक्रम : 'एक जंग नशे के विरुद्ध'** एवं **'Say Yes to Life… Not to Drug'** हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जौनपुर द्वारा प्रतिभागियों को शपथ दिलाया गया। **तृतीय कार्यक्रम : 'एक जंग नशे के विरुद्ध'** एवं **'Say Yes to Life… Not to Drug'** हेतु जिलाधिकारी महोदय के नेतृत्व में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।
	2.30-4.00 PM	व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग	**चतुर्थ कार्यक्रम :** विश्वविद्यालय मे उपरोक्त विषय पर आधारित भाषण तथा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया
1.10.2023	11.00-12.00 PM	ऑनलाइन	**प्रथम कार्यक्रम : "नशा-मुक्त समाज एवं राष्ट्रीय"** विषय पर **ऑनलाइन (Quiz Competition) प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता** का आयोजन किया जायेगा, जिसमें उपर्युक्त विषय पर विश्वविद्यालय, अन्य महाविद्यालय, स्कूल के छात्रों को प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने हेतु आमंत्रित किया जायेगा, तथा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा।
	3.30-5.30 PM	करंजाकला गाँव स्थित हरिजन बस्ती	**द्वितीय कार्यक्रम :** विश्वविद्यालय एवं चिकित्सा महाविद्यालय के छात्रो द्वारा उपर्युक्त विषय पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जौनपुर जनपद स्थित करंजाकला गाँव स्थित हरिजन बस्ती में अभियान चलाया गया, जिसमें छात्रों द्वारा लघु-नाटक के मंचन एवं पोस्टर प्रदर्शन द्वारा आम जनमानस को जागरूक किया जायेगा।
02.10.2023	2.00-4.00 PM	संकाय भवन	**'नशा मुक्त हो परिसर एवं समाज अपना'** पर छात्रो एवं कर्मचारियो हेतु विशेषज्ञयो द्वारा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा।
	11.15 - 12.50 PM	आर्यभट्ट सभागार	▪ रंगोली एवं पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा। ▪ समापन सत्र में, समाज के ऐसे रोल माडल, जिन्होंने अपने संयमित जीवन शैली से मादक पदार्थों एवं द्रव्यों के सेवन से दूर अपने को अभी तक बचाए रखा है तथा ऐसे लोग जिन्होंने इन मादक पदार्थों एवं द्रव्यों के नशे से सफलतापूर्वक छुटकारा पाया अथवा लोगों को दिलाया है, विश्वविद्यालय ऐसे लोगों को सम्मानित करेगा। ▪ उक्त विषय पर जागरूकता हेतु आयोजित किए गए विभिन्न कार्यक्रमों/प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों एवं आयोजन टीम को प्रमाण-पत्र के माध्यम से सम्मानित किया जाएगा।

प्रतिलिपि:

1. निजी सचिव कुलपति, कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
2. सचिव जिलाधिकारी, जौनपुर, जिलाधिकारी जी के संज्ञानार्थ।
3. सचिव वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जौनपुर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस विभाग, जौनपुर को सूचनार्थ।
4. समस्त संकायाध्यक्ष/निदेशक/विभागाध्यक्ष, विश्वविद्यालय परिसर पाठ्यक्रम को सूचनार्थ।
5. निजी सचिव प्रधानाचार्य, उमानाथ सिंह राज्य चिकित्सा स्वशासी महाविद्यालय, जौनपुर को सूचनार्थ।
6. निजी सहायक कुलसचिव, कुलसचिव जी के सूचनार्थ।
7. वित्त अधिकारी/उप-कुलसचिव/सहा० कुलसचिव जी को सूचनार्थ।
8. समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना को इस आशय के साथ प्रेषित कि समस्त कार्यक्रमों में अपनी टीम के साथ सहयोग करें।
9. निदेशक, रज्जु भैया संस्थान एवं प्रभारी आर्यभट्ट सभागार को सूचनार्थ।
10. मीडिया प्रभारी को इस आशय के साथ प्रेषित कि समस्त कार्यक्रम का मीडिया में व्यापक प्रचार-प्रसार करने का कष्ट करें।
11. सभी सदस्य, टीम **'MISSION DRUG FREE CAMPUS AND SOCIETY', VBSPU**

(डॉ० मनोज कुमार पाण्डेय)

कार्यक्रम समन्वयक एवं

नोडल आफिसर (एंटीनारकोटिक्स ड्रग एवं एडिक्सन)

सहायक आचार्य, व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

मो०: 7007978543

जागरूकता अभियान : प्रथम दिन **दिनाँक : 25.09.2023**

जागरूकता सप्ताह (25-02 ऑक्टूबर, 2023) उद्घाटन कार्यक्रम

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र, अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के संयुक्त तत्वावधान में शासन के पत्र 25 सितम्बर-02 ऑक्टूबर, 2023 तक चलने वाले जन जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर **"समाज में मादक पदार्थों की बढ़ती लत : कारण, प्रभाव एवं उपचार के विविध आयाम"** विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह में बतौर अध्यक्ष कुलपति प्रो वंदना सिंह ने कहा कि हमारे देश का भविष्य युवाओं पर निर्भर करता है। आज के समय में युवाओं में नशे की लत काफी बढ़ती जा रही है। नशा न सिर्फ व्यक्ति को अपितु उसकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को भी प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर नशा मुक्त समाज के सपने को साकार करेंगे। नशा इंसान को अपना दास बना लेती है। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ व्यायाम भी करना चाहिए। विद्यार्थियों में पढ़ने, आविष्कार करने और अच्छे काम करने का नशा होना चाहिए न कि किसी मादक पदार्थ का। मुख्य अतिथि उमानाथ सिंह स्वायत्तशासी मेडिकल कॉलेज, जौनपुर के प्राचार्य प्रो. शिव कुमार ने कहा कि बच्चों को नशे से रोकने के लिए अभिभावक और शिक्षकों को भी अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति की शुरुआत अभिभावकों से होनी चाहिए। मानसिक तनाव वाले युवाओं की सही समय पर काउंसलिंग न करने पर वह नशा के आदि हो जाते हैं। कॉलेज और विश्वविद्यालय में परीक्षा और परिणाम आने के बाद विद्यार्थियों में नशे की प्रवृत्ति बढ़ती है, ऐसे समय में शिक्षण संस्थाओं में मोटिवेशनल कार्यक्रम कराने चाहिए, ताकि विद्यार्थी सकारात्मक सोच रखे। विशिष्ट अतिथि मनोचिकित्सक डॉ विनोद वर्मा ने कहा कि नशे से पूरे शरीर के साथ-साथ मानसिक रूप से भी मानव को प्रभावित करता है। नशे से आर्थिक और सामाजिक रूप से इंसान का नुकसान होता है। नशे की शुरुआत करने के कारणों में आर्थिक कमी, तनाव, सामाजिक स्थिति आदि शामिल है। छात्र अधिष्ठाता प्रो. अजय द्विवेदी ने कहा कि लोगों में जागरूकता के माध्यम से नशे की प्रवृत्ति को कम किया जा सकता है। नशा मुक्त भारत ही श्रेष्ठ नागरिक का निर्माण कर सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जाने वाले जागरूकता सप्ताह से काफी स्तर तक नशामुक्ति का प्रयास सफल होगा। सरकार की भी यहीं मंशा है। नोडल अधिकारी डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय ने विश्वविद्यालय, उमानाथ सिंह मेडिकल कॉलेज, जौनपुर एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में चलने वाले नशा मुक्त सप्ताह के विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों से उपस्थित जनसमूह को अवगत कराया। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन उद्देश्य सिंह ने किया। इस मौके पर प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ. राहुल सिंह, डॉ. शैलेंद्र सिंह, डॉ. अमरेंद्र सिंह, डॉ सुनील कुमार, डॉ. पुनीत धवन, डॉ अमित वत्स, लक्ष्मी प्रसाद मौर्य सहित काफी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में लिए गए कुछ छाया चित्र

जागरूकता सप्ताह का उद्घाटन दिवस पर मुख्य अतिथि प्रो० शिव कुमार जी, विशिष्ट अतिथि डॉ० विनोद वर्मा जी को पुष्प-गुच्छ से स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री महेंद्र कुमार जी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ मनोज कुमार पाण्डेय

जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत आयोजित होने वाले विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के बारे में उपस्थित जनमानस एवं मंचस्थ अतिथिगण को अवगत कराते हुए इस अभियान एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ मनोज कुमार पाण्डेय

जागरूकता सप्ताह के उद्घाटन दिवस पर **"समाज में मादक पदार्थों की बढ़ती लत : कारण, प्रभाव एवं उपचार के विविध आयाम"** विषय पर आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय उद्बोधन देती हुई विश्वविद्यालय की मा० कुलपति प्रो० वंदना सिंह

जागरूकता सप्ताह के उद्घाटन दिवस पर **"समाज में मादक पदार्थों की बढ़ती लत : कारण, प्रभाव एवं उपचार के विविध आयाम"** विषय पर आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में उपरोक्त विषय पर उद्बोधन देते हुए उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्राचार्य प्रो० (डॉ०) शिव कुमार

संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि एवं वक्ता के रूप में उपरोक्त विषय पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को जागरूक करते हुए उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के मनोचिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० विनोद कुमार वर्मा

संगोष्ठी में उपरोक्त विषय पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को जागरूक करते हुए विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो० अजय द्विवेदी

जागरूकता सप्ताह के उद्घाटन दिवस पर आयोजित संगोष्ठी के पश्चात विश्वविद्यालय के छात्र उद्देश्य सिंह द्वारा 'एक जंग नशे के विरुद्ध' एवं 'Say Yes to Life… Not to Drug' हेतु मंचस्थ अतिथियों, अधिकारियों एवं प्रतिभागियों को शपथ दिलाया गया।

आज
जौनपुर
३
वाराणसी, २६ सितम्बर, २०२३

विद्यार्थियोंमें हो पढ़ने और आविष्कार करने का नशा : वाइसचांसलर

नशा मुक्ति की शुरुआत अभिभावकोंसे हो : प्रो. शिव कुमार

समाज में मादक पदार्थों की बढ़ती लत-कारण, प्रभाव एवं उपचार के विविध आयाम पर हुई संगोष्ठी

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचलविश्वविद्यालय के रज्जु भईया सभागार में सोमवार को समाज में मादकपदार्थों की बढ़ती लत-कारण, प्रभावएवं उपचार के विविध आयाम विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

समारोह में बतौर अध्यक्ष कुलपति प्रो. वंदनासिंह ने कहा कि हमारे देश का भविष्य युवाओं पर निर्भर करता है। आज के समय मेंयुवाओं में नशे की लत काफी बढ़ती जा रही है। नशा न सिर्फ व्यक्ति को अपितु उसकीसामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को भी प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकरनशा मुक्त समाज के सपने को साकार करेंगे। नशा इंसान को अपना दास बना लेती है। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ व्यायाम भी करना चाहिए। विद्यार्थियों मेंपढ़ने, आविष्कार करने और अच्छे काम करने कानशा होना चाहिए न कि किसी मादक पदार्थ का। मुख्य अतिथि उमानाथ सिंह स्वायत्तशासी मेडिकल कॉलेजके प्राचार्य प्रो. शिव कुमार ने कहा कि बच्चों को नशे से रोकने के लिए अभिभावक और शिक्षकों को भी अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति की शुरुआत अभिभावकों से होनी चाहिए। मानसिक तनाव वाले युवाओं की काउंसलिंग न करने पर वह नशाके आदि हो जाते हैं। कॉलेज और विश्वविद्यालय में परीक्षा और परिणाम आने के बाद विद्यार्थियोंमें नशे की प्रवृत्ति बढ़ती है ऐसे समय में शिक्षण संस्थाओं में मोटिवेशनल कार्यक्रमकराने चाहिए, ताकि विद्यार्थी सकारात्मक सोच रखे। विशिष्ट अतिथि मनोचिकित्सक डॉ. विनोद वर्मा नेकहा कि नशे से पूरे शरीर के साथ-साथ मानसिक रूप से भी मानव को प्रभावित करता है। नशे से आर्थिक और सामाजिक रूप से इंसान का नुकसान होता है। नशे की शुरुआत करने के कारणों में आर्थिक कमी, तनाव, सामाजिक स्थिति आदि शामिल है। छात्र अधिष्ठाता प्रो. अजय द्विवेदी ने कहा कि लोगों में जागरूकता के माध्यम से नशे की प्रवृत्ति को कम किया जा सकता है। नशामुक्तभारत ही श्रेष्ठ नागरिक का निर्माण कर सकता है। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा किपूरे सप्ताह जागरूकता से काफी स्तर तक नशामुक्ति का प्रयास सफल होगा। सरकार की भीयही मंशा है। नोडल अधिकारी डॉ. मनोज कुमार पांडे ने कहा किविश्वविद्यालय परिसर, उमानाथ सिंह मेडिकल कॉलेज, जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में यह नशा मुक्त सप्ताह चलाया जा रहा है। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन उद्देश्य सिंह ने किया। इस मौके पर प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ. राहुल सिंह, डॉ. शैलेंद्र सिंह, डॉ. अमरेंद्र सिंह, डॉ सुनील कुमार, डॉ. पुनीत धवन, डॉ. अमित वत्स, लक्ष्मी प्रसाद मौर्य सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

छात्र पढ़ने और आविष्कार करने का नशा पालें : कुलपति

कार्यक्रम

नशा मुक्ति की शुरूआत अभिभावकों से हो : प्रो. शिव कुमार

समाज में मादक पदार्थों की बढ़ती लत : कारण, प्रभाव व उपचार के विविध आयाम पर हुई संगोष्ठी

जनसंदेश न्यूज

नशा मुक्त सप्ताह कार्यक्रम के तहत शपथ ग्रहण करते लोग

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रज्जु भईया सभागार में सोमवार को समाज में मादक पदार्थों की बढ़ती लत : कारण, प्रभाव एवं उपचार के विविध आयाम विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

समारोह में बतौर अध्यक्ष कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि हमारे देश का भविष्य युवाओं पर निर्भर करता है। आज के समय में युवाओं में नशे की लत काफी बढ़ती जा रही है। नशा न सिर्फ व्यक्ति को अपितु उसकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को भी प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर नशा मुक्त समाज के सपने को साकार करेंगे। नशा इंसान को अपना दास बना लेती है। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ व्यायाम भी करना चाहिए। विद्यार्थियों में पढ़ने, आविष्कार करने और अच्छे काम करने का नशा होना चाहिए न कि किसी मादक पदार्थ का।

मुख्य अतिथि उमानाथ सिंह स्वायत्तशासी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. शिव कुमार ने कहा कि बच्चों को नशे से रोकने के लिए अभिभावक और शिक्षकों को भी अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति की शुरूआत अभिभावकों से होनी चाहिए। मानसिक तनाव वाले युवाओं की काउंसलिंग न करने पर वह नशे के आदि हो जाते हैं। कॉलेज और विश्वविद्यालय में परीक्षा और परिणाम आने के बाद विद्यार्थियों में नशे की प्रवृत्ति बढ़ती है ऐसे समय में शिक्षण संस्थाओं में मोटिवेशनल कार्यक्रम कराने चाहिए, ताकि विद्यार्थी सकारात्मक सोच रखे। विशिष्ट अतिथि मनोचिकित्सक डॉ. विनोद वर्मा ने कहा कि नशे से पूरे शरीर के साथ-साथ मानसिक रूप से भी मानव को प्रभावित करता है। नशे से आर्थिक और सामाजिक रूप से इंसान का नुकसान होता है। नशे की शुरूआत करने के कारणों में आर्थिक कमी, तनाव, सामाजिक स्थिति आदि शामिल है। छात्र अधिष्ठाता प्रो. अजय द्विवेदी ने कहा कि लोगों में जागरूकता के माध्यम से नशे की प्रवृत्ति को कम किया जा सकता है। नशामुक्त भारत ही श्रेष्ठ नागरिक का निर्माण कर सकता है। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि पूरे सप्ताह जागरूकता से काफी स्तर तक नशामुक्ति का प्रयास सफल होगा। सरकार की भी यही मंशा है। नोडल अधिकारी डॉ. मनोज कुमार पांडे ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर, उमानाथ सिंह मेडिकल कॉलेज, जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में यह नशा मुक्त सप्ताह चलाया जा रहा है। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन उद्देश्य सिंह ने किया। इस मौके पर प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ. राहुल सिंह, डा. शैलेंद्र सिंह, डॉ. अमरेंद्र सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. पुनीत धवन, डॉ. अमित वत्स, लक्ष्मी प्रसाद मौर्य सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों में हो पढ़ने और आविष्कार करने का नशाः कुलपति

– नशा मुक्ति की शुरुआत अभिभावकों से हो: प्रो.शिव कुमार

कौटिल्य का भारत
जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचलविश्वविद्यालय के रज्जु भईया सभागार में सोमवार को "समाज में मादकपदार्थोंकी बढ़ती लत के कारण, प्रभावएवं उपचार के विविध आयाम" विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजनकिया गया। समारोह में बतौर अध्यक्ष कुलपति प्रो वंदना सिंह ने कहा के हमारे देश का भविष्य युवाओंपर निर्भर करता है। आज के समय में युवाओं में नशे की लत काफी बढ़ती जा रही है। नशा न सिर्फ व्यक्ति को अपितु उसकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को भी प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकरनशा मुक्त समाज के सपने को साकार करेंगे। नशा इंसान को अपना दास बना लेती है।विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ– साथ व्यायाम भी करना चाहिए। विद्यार्थियों मेंपढ़ने, आविष्कार करने और अच्छे काम करने कानशा होना चाहिए न कि किसी मादक पदार्थ का। मुख्य अतिथि उमानाथ सिंह स्वायत्तशासी मेडिकल कॉलेजके प्राचार्य प्रो. शिव कुमार ने कहा कि बच्चों को नशे से रोकने के लिए अभिभावक और शिक्षकों को भी अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति की शुरुआतअभिभावकों से होनी चाहिए। मानसिक तनाव वाले युवाओं की काउंसलिंग न करने पर वह नशाके आदि हो जाते हैं। कॉलेज और विश्वविद्यालय में परीक्षा और परिणाम आने के बाद विद्यार्थियोंमें नशे की प्रवृत्ति बढ़ती है ऐसे समय में शिक्षण संस्थाओं में मोटिवेशनल कार्यक्रमकराने चाहिए, ताकि विद्यार्थी सकारात्मक सोच रखे। विशिष्ट अतिथि मनोचिकित्सक डॉ विनोद वर्मा ने कहा कि नशे से पूरे शरीर के साथ–साथ मानसिक रूप से भी मानव को प्रभावित करता है। नशे से आर्थिक और सामाजिक रूप से इंसान का नुकसान होता है। नशे की शुरुआत करने केकारणों में आर्थिक कमी, तनाव, सामाजिक स्थिति आदि शामिल है।छात्र अधिष्ठाता प्रो. अजय द्विवेदी ने कहा कि लोगों में जागरूकता के माध्यम से नशे की प्रवृत्ति को कम किया जा सकता है। नशामुक्तभारत ही श्रेष्ठ नागरिक का निर्माण कर सकता है। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा किपूरे सप्ताह जागरूकता से काफी स्तर तक नशामुक्ति का प्रयास सफल होगा। सरकार की भीयहीं मंशा है। नोडल अधिकारी डॉ मनोज कुमार पांडे ने कहा किविश्वविद्यालय परिसर, उमानाथ सिंह मेडिकल कॉलेज,

जौनपुरजिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में यह नशा मुक्त सप्ताह चलाया जा रहा है। संचालनएवं धन्यवाद ज्ञापन उद्देश्य सिंह ने किया। इस मौके पर प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ राहुल सिंह, डा. शैलेंद्र सिंह, डॉ. अमरेंद्र सिंह, डॉ सुनील कुमार, डॉ पुनीत धवन, डॉ अमित वत्स, लक्ष्मी प्रसाद मौर्य सहित छात्रछात्राएं उपस्थित रहीं।

दिनाँक : 26.09.2023 **दिन: द्वितीय**

मिशन ड्रग फ्री कैंपस एंड सोसाइटी अभियान के तहत वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र द्वारा उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत अभियान के दूसरे दिन **"समाज में मादक पदार्थों की बढ़ती लत : कारण, प्रभाव एवं उपचार के विविध आयाम"** विषय पर आधारित पोस्टर, नारा-लेखन एवं काव्य-पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों द्वारा मिश्रित माध्यम में प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।

छात्रों द्वारा बनाये गए कुछ पोस्टर की झलकिया :

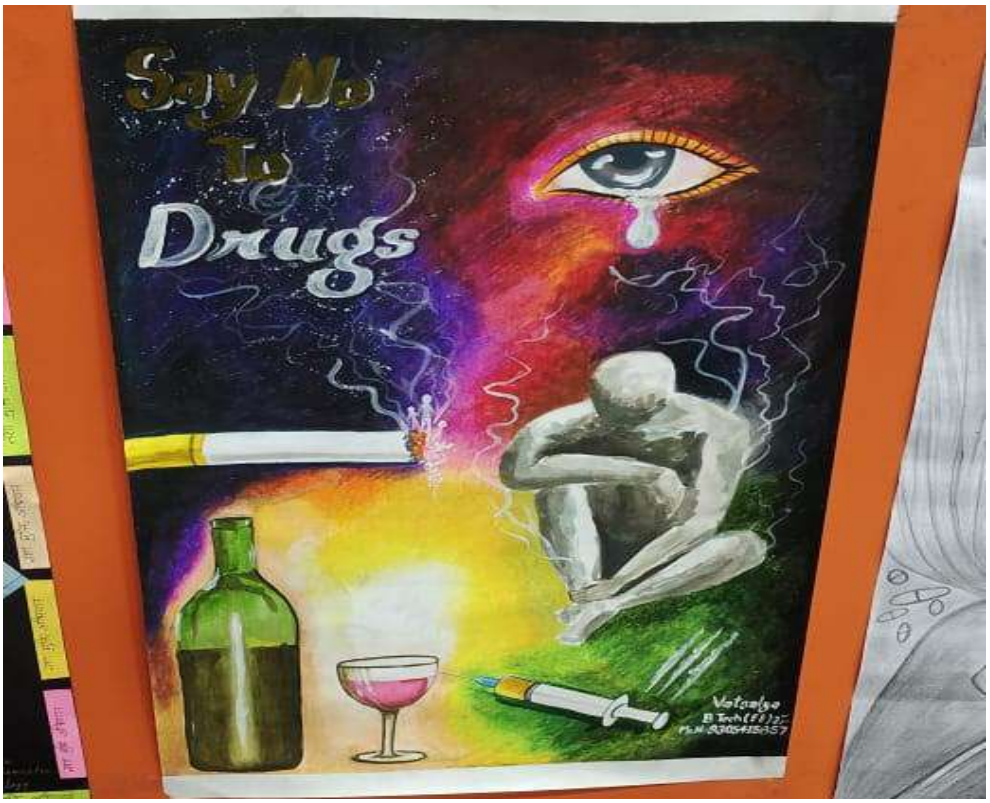

विद्यार्थियों द्वारा तैयार पोस्टर

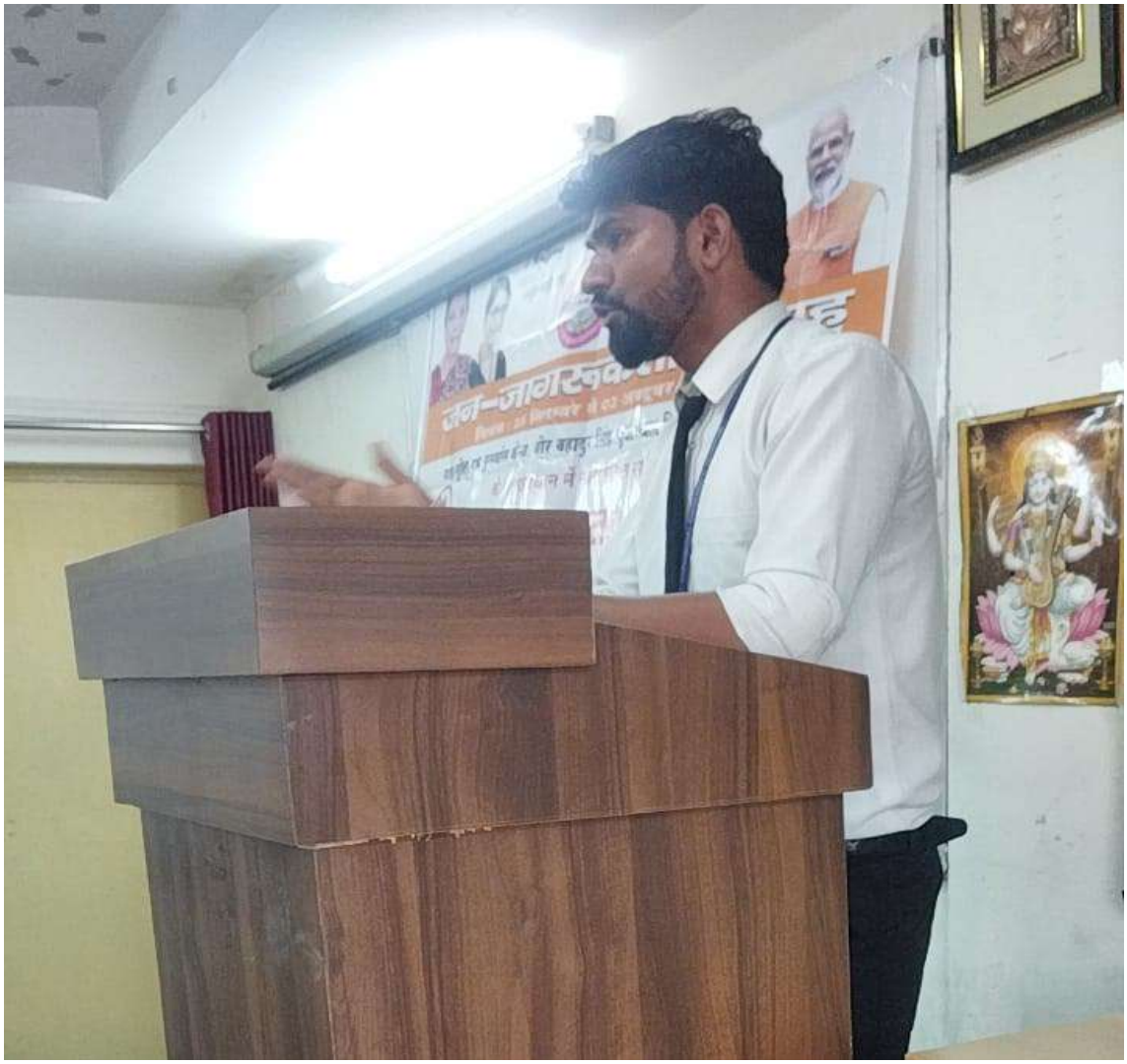

विद्यार्थी द्वारा भाषण प्रतियोगिता में अपना विषय रखते हुए।

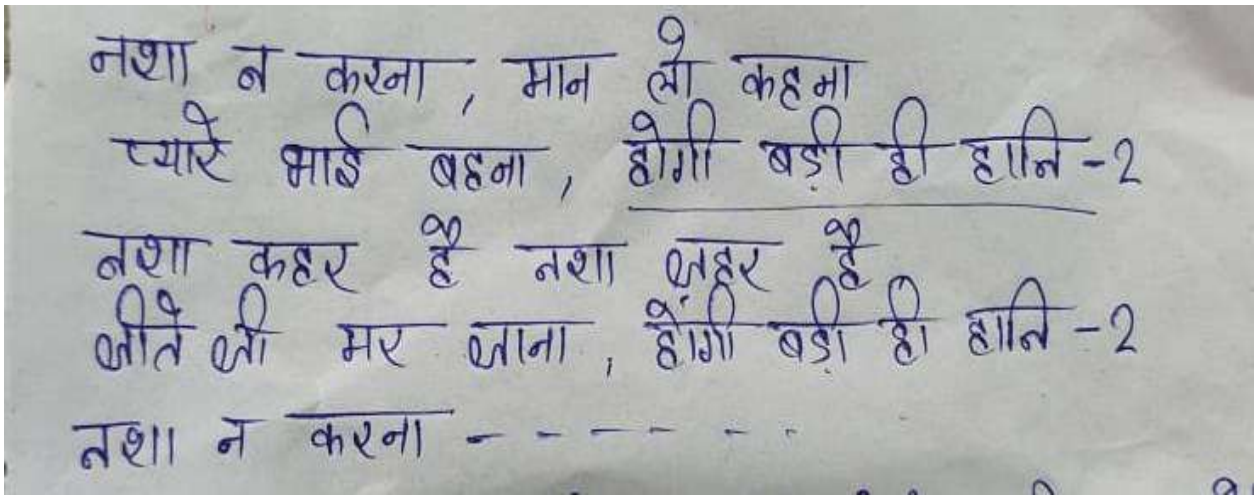

विद्यार्थी द्वारा लिखित स्लोगन

दिनाँक : 27.09.2023 **दिन : तृतीय**

मिशन ड्रग फ्री कैंपस एंड सोसाइटी अभियान के तहत वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र द्वारा उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत करंजकला ब्लॉक स्थित सिद्दीकपुर गांव के काशीराम आवासीय परिसर में वहां रह रहे लोगों को इस जन जागरूकता अभियान से जोड़ते हुए उन्हें नशा और उसका हमारे जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को संदर्भित करते हुए विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसका शीर्षक था 'नशा मुक्त समाज'। नाटक के माध्यम से छात्र-छात्राओं द्वारा दिखाया गया कि एक हंसता खेलता परिवार कैसे नशे की लत की वजह से बर्बाद हो जाता है। कैसे हमारा युवा वर्ग नशे की ओर अग्रसर होते हैं और अंत में इसका युवा तथा उसके परिवार पर क्या प्रभाव पड़ता है। उपरोक्त विषय को लेते हुए इस नाटक की प्रस्तुति की गई।

इसके तत्पश्चात उमानाथ सिंह स्वशासी महाविद्यालय के मनोचिकित्सक डॉक्टर विनोद वर्मा ने नशे की रोकथाम, इलाज की सलाह गांव के लोगों को दी। इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहे अभियान समन्वयक एवं नोडल अधिकारी सहायक आचार्य डॉ० मनोज कुमार पाण्डेय ने नशे के हानिकारक प्रभाव को बताते हुए इससे दूर रहने की सलाह दी तथा बताया कि कैसे एक नशा हमारे परिवार और समाज का नाश कर रहा है। कैसे परिवार के अन्य सदस्य नशे से ग्रसित अपने बच्चे, पति, भाई तथा अन्य को नशे से मुक्त होने में अपनी महत्ती भूमिका अदा कर सकते है। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान के छात्र हिदायत फातिमा, दिव्या, पवन सोनाली, अनिकेत, सत्य प्रकाश, अंजलि, भूमिका, कृति, इशिता, प्रतिभा, शिवांश, अभिनाश, संजीव, विक्की, उज़मा आदि द्वारा नाटक का मंचन किया गया।

गाँव में जन-जागरूकता अभियान की कुछ झलकिया :

GPS Map Camera
Siddikpur, Uttar Pradesh, India
RM2Q+PQX, Siddikpur, Uttar Pradesh 222003, India
Lat 25.80143°
Long 82.688565°
27/09/23 04:01 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Siddikpur, Uttar Pradesh, India
RM2Q+PQX, Siddikpur, Uttar Pradesh 222003, India
Lat 25.801585°
Long 82.688728°
27/09/23 03:48 PM GMT +05:30
Google

जौनपुर के करंजकला ब्लॉक स्थित सिद्दीकपुर गांव के काशीराम आवासीय परिसर में वहां रह रहे लोगों को इस जन जागरूकता अभियान से जोड़ते हुए उन्हें नशा और उसका हमारे जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को संदर्भित करते हुए विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अवगत करते हुए टीम नशा मुक्त परिसर एवं समाज के सदस्य

www.jagran.com

कांशीराम आवास में नशा मुक्ति पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन

संवाद सहयोगी, मल्हनी (जौनपुर): मिशन ड्रग फ्री कैंपस एंड सोसाइटी अभियान के तहत बुधवार को पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र व मेडिकल कालेज के संयुक्त तत्वावधान में सिद्दीकपुर गांव के कांशीराम आवासीय परिसर में लोगों को जागरुक किया गया।

आवास के लोगों को अभियान से जोड़ते हुए उन्हें नशा और उसका हमारे जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को संदर्भित करते हुए विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इसका शीर्षक था 'नशा मुक्त समाज'। नाटक के माध्यम से छात्र-छात्राओं द्वारा दिखाया गया कि एक हंसता खेलता परिवार कैसे नशे की लत की वजह से बर्बाद हो जाता है। मेडिकल कालेज के मनोचिकित्सक डा.विनोद वर्मा ने नशे की रोकथाम, इलाज की सलाह गांव के लोगों को दी। कार्यक्रम का आयोजन कर रहे अभियान समन्वयक एवं नोडल अधिकारी सहायक आचार्य डा.मनोज पांडेय ने नशे के हानिकारक प्रभाव को बताते हुए इससे दूर रहने की सलाह दी।

मोतियाबिंद का ऑपरेशन फेको विधि द्वारा मात्र 6000/- से शुरू दवाओं के साथ
DR. PRADHAN EYE HOSPITAL
डॉ. प्रधान आई हॉस्पिटल
वाराणसी में पहली बार अमेरिकन येलो (Yellow) लेंस UV Protection के साथ मोतियाबिंद ऑपरेशन फेको विधि द्वारा (Phacoemulsification)

'नशा मुक्त समाज' नाटक का मंचन कर किया जागरूक

जौनपुर। मिशन ड्रग फ्री कैंपस एंड सोसाइटी अभियान के तहत वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, के नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र द्वारा उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत करंजाकला ब्लॉक स्थित सिद्दीकपुर गांव के काशीराम आवासीय परिसर में नशा और उसका हमारे जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को समझाते हुए व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों द्वारा बुधवार को नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इसका शीर्षक था 'नशा मुक्त समाज'। नाटक के माध्यम से छात्र-छात्राओं द्वारा दिखाया गया कि एक हंसता खेलता परिवार कैसे नशे की लत की वजह से बर्बाद हो जाता है। कैसे हमारा युवा वर्ग नशे की ओर अग्रसर होते है। इसके तत्पश्चात उमानाथ सिंह स्वशासी महाविद्यालय के मनोचिकित्सक डॉक्टर विनोद वर्मा ने नशे की रोकथाम, इलाज की सलाह गांव के लोगों को दी। हिदायत फातिमा, दिव्या, पवन सोनाली, अनिकेत, सत्य प्रकाश, अंजलि, भूमिका, कृति, इशिता, प्रतिभा, शिवांश, अभिनाश, संजीव, विक्की, उज़मा आदि द्वारा नाटक का मंचन किया गया।

नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर नशे पर किया प्रहार

पूविवि व उमानाथ सिंह मेडिकल कालेज के तत्वावधान में आयोजित हुआ कार्यक्रम

MALHANI (27 Sept.): मिशन ड्रग फ्री कैंपस एंड सोसाइटी अभियान के तहत बुधवार को पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र व मेडिकल कालेज के संयुक्त तत्वावधान में सिद्दीकपुर गांव के कांशीराम आवासीय परिसर में लोगों को जागरूक किया गया.

आवास के लोगों को अभियान से जोड़ते हुए उन्हें नशा और उसका हमारे जीवन पर पढ़ने वाले प्रभाव को संदर्भित करते हुए विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया. इसका शीर्षक था 'नशा मुक्त समाज'. नाटक के माध्यम से छात्र-छात्राओं द्वारा दिखाया गया कि एक हंसता खेलता परिवार कैसे नशे की लत की वजह से बर्बाद हो जाता है. मेडिकल कालेज के मनोचिकित्सक डा.विनोद वर्मा ने नशे की रोकथाम, इलाज की सलाह गांव के लोगों को दी .

नशे से दूर रहने की सलाह

कार्यक्रम का आयोजन कर रहे अभियान समन्वयक एवं नोडल अधिकारी सहायक आचार्य डा.मनोज कुमार पांडेय ने नशे के हानिकारक प्रभाव को बताते हुए इससे दूर रहने की सलाह दी. कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान के छात्र हिदायत फातिमा, दिव्या, पवन सोनाली, अनिकेत, सत्य प्रकाश, अंजलि, भूमिका, कृति, इशिता, प्रतिभा, शिवांश, अभिनाश, संजीव, विक्की, उमा आदि ने नाटक का मंचन किया.

नशा उन्मूलन के लिए दिलाई शपथ

MARIAHU : नशा मुक्ति अभियान के तहत बुधवार को मड़ियाहू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एसडीएम कुणाल गौरव ने छात्र-छात्राओं व शिक्षकों को नशा उन्मूलन की शपथ दिलाई. उपस्थित लोगों को जागरूक करते हुए एसडीएम ने कहा कि नशे के कारण स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है. क्षेत्राधिकारी ने समाज में बढ़ते अपराध का एक कारण बढ़ती हुई नशाखोरी को बताया. प्राचार्य प्रो. सुरेश पाठक ने कहा कि व्यक्तिगत और सामाजिक तौर पर पूर्ण नशाबंदी आवश्यक है.

संचारी रोग को लेकर ब्लाक मुख्यालय पर हुई बैठक

MACHHALISHAHAR : विकास खंड सभागार में बुधवार को संचारी रोग को लेकर बैठक आयोजित की गई. बैठक में ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता अभियान को लेकर रूपरेखा तैयार की गई. खंड विकास अधिकारी सचिन कुमार भारती ने ग्राम प्रधान, आशा बहुओं व सचिवों के साथ संचारी रोगों से बचाव को लेकर बैठक कर जरूरी निर्देश दिया. कहा कि हम सब को गांव की नालियों, घर के आगे पीछे, जगह-जगह रुकने वाले गंदे पानी, एंटी लार्वा के छिड़काव के प्रति सजग रहें. बताया कि एक अक्टूबर से लेकर 31 अक्टूबर तक ब्लॉक मुख्यालय की देख- रेख ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा. बैठक में एडीओ पंचायत राम निहोर ने बताया की सड़क व चकरोड के बगल उगी झाड़-झंखाड़ भी काट कर साफ किया जाएगा. बैठक इस दौरान ग्राम प्रधान हरिलाल यादव, शिव नाथ मौर्य, प्रेम बिहारी यादव, दीपक , संजय यादव समेत अन्य मौजूद रहे.

रामलीला कमेटी मैदान की जमीन पर करा रही थी निर्माण, पुलिस ने रोका, आक्रोशित कमेटी ने दिया धरना

JALALPUR: थाना के सामने रामलीला मैदान की जमीन को लेकर पुलिस और शिवमंदिर कमेटी के मध्य का विवाद तूल पकड़ रहा है. मंच के लिए कमेटी की तरफ बुधवार को निर्माण कराया जा रहा था, जिसको पुलिस ने रोक दिया. इसके बाद आक्रोशित मंदिर कमेटी व बाजार के लोगों ने पुलिस के विरूद्ध जिला पंचायत सदस्य पवन कुमार गुप्ता के नेतृत्व ... गलत तरीके कार्य रोक दिया है. प्रधान श्रवण कुमार गुप्ता ने कहा

दिनाँक : 28.09.2023 **दिन : चतुर्थ**

दिनाँक 28.09.2023 को विश्वविद्यालय, चिकित्सा महाविद्यालय एवं जिले के अन्य विद्यालयों एवं महाविद्यालय के छात्रों हेतु उपर्युक्त विषय पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें कोलाज मैकिंग, पोस्टर मैकिंग, रील/शॉर्ट विडियो मैकिंग प्रतियोगिता प्रमुख रही।

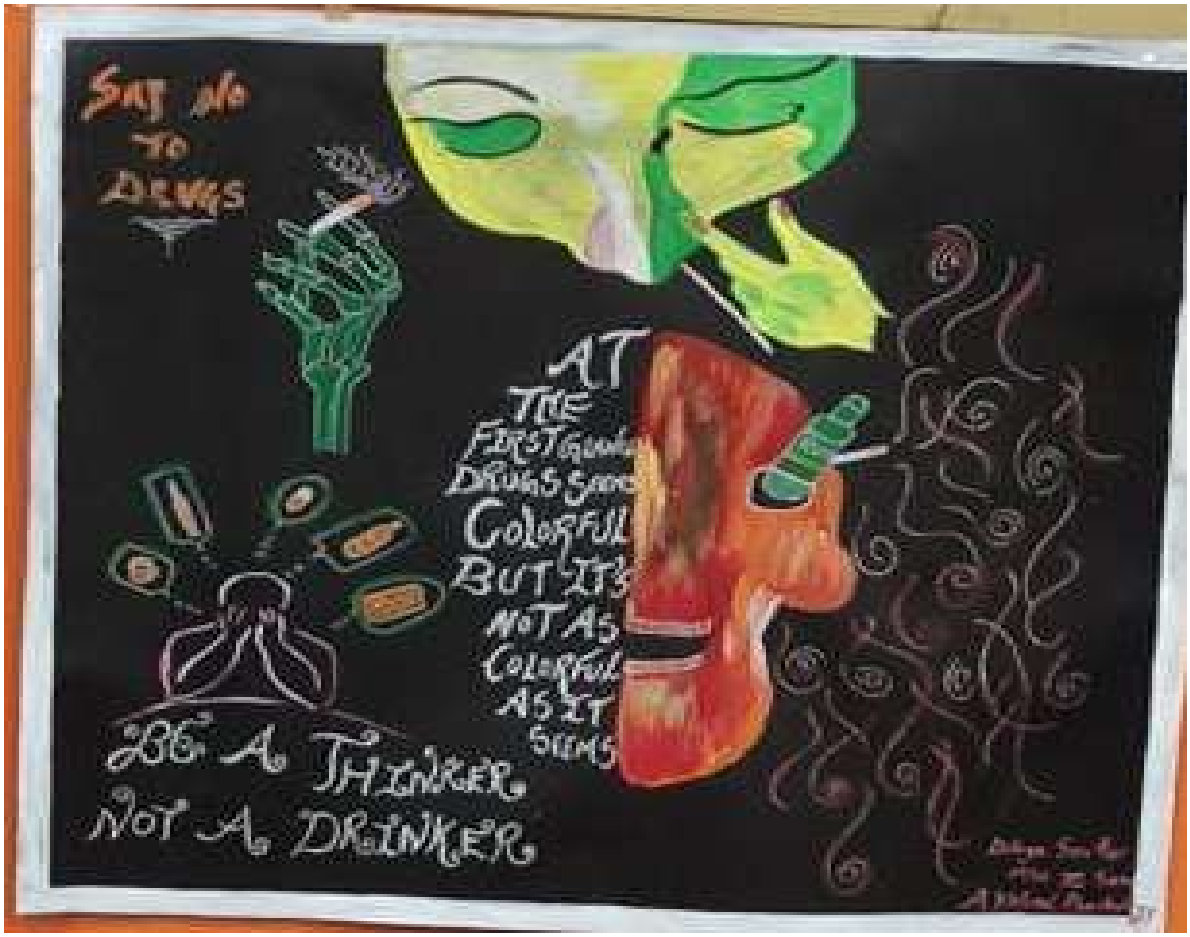

प्रतिभागी द्वारा तैयार पोस्टर

प्रतिभागी द्वारा तैयार कोलाज

दिनाँक : 29.09.2023 **दिन : पंचम**

दिनाँक 29.09.2023 को **'एक जंग नशे के विरुद्ध'** एवं **'Say Yes to Life… Not to Drug'** हेतु प्रतिभागियों एवं चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के कर्मचारियों एवं आने वाले रोगियों एवं उनके परिवार को जनजागरूकता अभियान, शपथ दिलाना एवं बृहद हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इसक साथ ही साथ महाविद्यालय में एमबीबीएस के छात्रों के समक्ष नशा के दुष्प्रभाव विषय पर बतौर मास्टर ट्रेनर के तौर पर उद्देश्य सिंह ने अपने विचार रखे और उन्हें नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई। उक्त अवसर पर प्राचार्य मेडिकल कॉलेज प्रो० शिव कुमार जी व नशा मुक्ति अभियान के समन्यवक डॉ मनोज कुमार पांडेय जी व साथी आदित्य जायसवाल जी के साथ कई वरिष्ठ चिकत्सक उपस्थित रहे।

मास्टर ट्रेनर के तौर पर उद्देश्य सिंह ने अपने विचार और उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों, एव कर्मचारियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाते हुए

समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार

मेडिकल कॉलेज में चलाया गया 'एक जंग नशे के विरुद्ध' के तहत हस्ताक्षर अभियान

मेडिकल छात्रों को दिलाई शपथ

आइडियल इंडिया न्यूज
डा राजेश जैन

जौनपुर। प्रधानमंत्री के 2047 तक नशामुक्त भारत करने के संकल्प एवं उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री के प्रदेश के समस्त उच्च शिक्षण संस्थाओं में युवाओं को नशे से मुक्त करते हुए राष्ट्रीय के विकास में योगदान करने के पथ पर अग्रसर करने के दृढ़ निश्चय को साकार करते हुए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर एवं उमानाथ सिंह स्वशासी चिकित्सा राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर 'मिशन ड्रग फ्री कैंपस एंड सोसायटी' अभियान के तहत शुक्रवार को उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय प्रांगण में अस्पताल में आए रोगियों, उनके

परिवारजनों, कर्मचारियों एवं मेडिकल कॉलेज में पढ़ रहे छात्रों को नशा मुक्त अभियान से जोड़ते हुए हस्ताक्षर अभियान एवं विश्वविद्यालय के छात्र उद्देश्य सिंह द्वारा 'ॅ८ ल्लड्ड३ ३ड्ड उ८४२' हेतु शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ शिव कुमार एवं डॉ. ए०ए० जाफरी द्वारा छात्रों को जागरूक करते हुए कहा कि नशा स्वयं के साथ साथ समाज के लिए भी हानिकारक है।

उक्त अवसर पर अभियान के समन्वयक डॉ मनोज कुमार पाण्डेय ने रोगियों, कर्मचारियों एवं छात्रों को इस अभियान में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया, तथा स्वयं के साथ ही साथ समाज को भी इस अभियान में जोड़ने हेतु आग्रह किया। मनोचिकित्सक डॉ विनोद कुमार वर्मा ने नशे के कारण एवं बचाव पर लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर डॉ रुचिरा शेट्टी, डॉ रिचा गुप्ता, डॉ आंचल सिंह, डॉ जितेंद्र कुमार, डॉ उमेश सरोज, डॉ अपूर्व झा, डॉ सीबीएस पटेल, आदित्य जायसवाल, अंजू, रश्मि, प्रिया, सोनाली, कृष्णा, भूमिका, कृति, इशिता, अनिकेत, सत्यप्रकाश समेत करीब 400 से अधिक रोगियों, उनके परिवारजन, कर्मचारी, मेडिकल स्टाफ, और छात्र उपस्थित रहे।

नशा स्वयं के साथ समाज के लिए हानिकारक

संवाद सूत्र, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय व उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के 'मिशन ड्रग फ्री कैंपस एंड सोसायटी' अभियान के तहत शुक्रवार को मेडिकल कालेज प्रांगण में आए रोगियों व उनके स्वजन को जागरूक किया गया। मेडिकल कालेज के प्राचार्य प्रो. शिव कुमार व डा. एए जाफरी ने छात्रों को जागरूक करते हुए कहा कि नशा स्वयं के साथ समाज के लिए भी हानिकारक है।

मेडिकल कालेज के कर्मचारियों व एमबीबीएस छात्रों को नशा मुक्त अभियान से जोड़ते हुए हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। विश्वविद्यालय के छात्र उद्देश्य सिंह ने नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। अभियान के समन्वयक डा. मनोज कुमार पांडेय ने रोगियों, कर्मचारियों व छात्रों को इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने के

मिशन ड्रग फ्री कैंपस के तहत शपथ लेते छात्र। जागरण

लिए प्रोत्साहित किया। मनोचिकित्सक डा. विनोद कुमार वर्मा ने नशे के कारण एवं बचाव पर लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर डा. रुचिरा शेट्टी, डा. रिचा गुप्ता, डा.आंचल सिंह, डा. जितेंद्र कुमार, डा. उमेश सरोज, डा. अपूर्व झा, आदित्य जायसवाल,अंजू, रश्मि समेत करीब दो सौ से अधिक रोगियों, उनके परिवारजन, कर्मचारी, मेडिकल स्टाफ और छात्र उपस्थित रहे।

दिनाँक : 30.09.2023 **दिन : षष्ठ**

दिनाँक 30.09.2023 को **'रन फॉर नॉन एडिक्टिव सोसाइटी'** हेतु मेराथन दौड़ कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन, जौनपुर के सहयोग से जिलाधिकारी, जौनपुर के नेतृत्व में किया गया, जिसमें जिले के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों के शिक्षकों, छात्रों, अभिभावकों, कर्मचारियों, एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा इस कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर ***'एक जंग नशे के विरुद्ध'*** एवं ***'Say Yes to Life… Not to Drug'*** हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जौनपुर द्वारा प्रतिभागियों को शपथ एवं वृहद हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय वह मिशन ड्रग फ्री कैंपस एंड सोसाइटी अभियान के तहत मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। विभिन्न आयु वर्ग के युवाओं ने उमानाथ सिंह खेल मैदान से पुलिस लाइन तक मैराथन दौड़ के माध्यम से नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अजय पाल शर्मा ने युवाओं को नशा मुक्ति भारत की शपथ दिलाई।

जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने कहा कि नशा युवाओं को अपनी मंजिल तक पहुंचने नहीं देता है। युवाओं को सकारात्मक विचार और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ नशे के खिलाफ लड़ना पड़ेगा। मंजिल पाने का मूल मंत्र है कि नशे से दूर रहना और लोगों को उसके प्रति जागरूक करना। नशा मुक्ति अभियान एवं मैराथान दौड़ के समन्यवक डॉ मनोज कुमार पाण्डेय ने कहा कि यह अभियान विगत 25 सितम्बर से से चलाया जा रहा है, जिसका समापन गांधी जयंती के दिन किया जाएगा। युवाओं को जागरुक करते हुए उन्हें समाज के प्रति उत्तरदाई बनाने की दिशा में विश्वविद्यालय के सहयोग से नशा मुक्ति अभियान का कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिससे युवाओं को नशे की लत से बाहर निकलने में सहायता होगी। उक्त अवसर डीन, छात्र अधिष्ठाता कल्याण, प्रो अजय द्विवेदी, वित्त अधिकारी श्री उमा शंकर, राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ राज बहादुर यादव, उद्देश्य सिंह, पवन सोनकर, आदित्य जायसवाल इत्यादि उपस्थित थे।

एक अन्य कार्यक्रम में विश्वविद्यालय में उपरोक्त विषय पर आधारित भाषण तथा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

उपस्थित प्रतिभागियों को शपथ दिलाते पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अजय पाल शर्मा

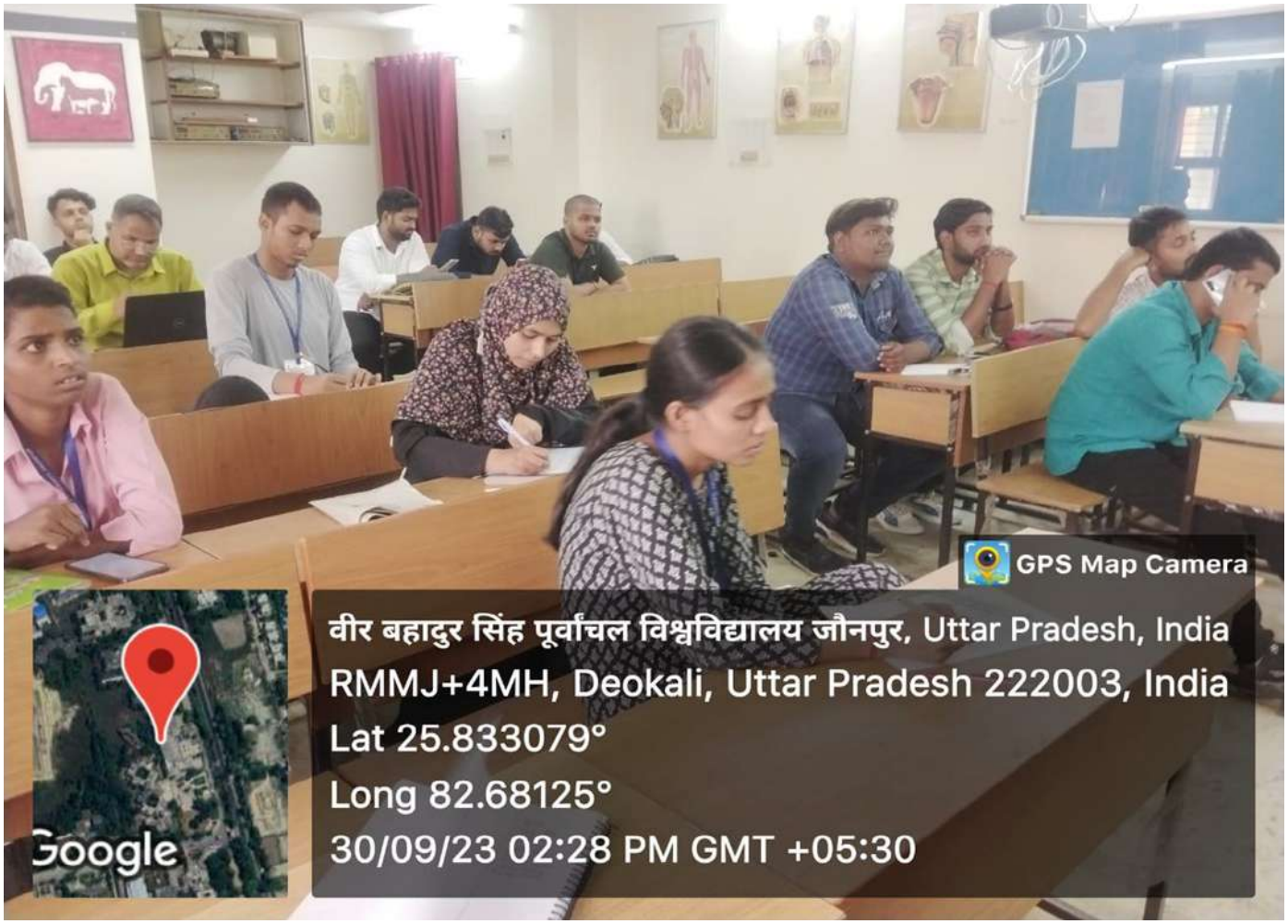

निबंध प्रतियोगिता मे प्रतिभाग करते विद्यार्थी

दिनाँक : 01.10.2023 **दिन : सप्तम**

मिशन ड्रग फ्री कैंपस एंड सोसाइटी अभियान के तहत विगत 25 सितंबर से चल रहे अभियान के सातवें दिन वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के नशा मुक्ति व पुनर्वास केंद्र और व्यावहारिक मनोविज्ञान द्वारा उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से 208 प्रतिभागियों क्विज़ प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया।

Quiz में प्रतिभाग करने हेतु लिंक : https://forms.gle/9ZovEtwscoCezDjXA

आज के दूसरे कार्यक्रम के रूप में नशामुक्त परिसर एवं समाज के सदस्यों द्वारा करंजाकला गांव स्थित हरिजन बस्ती में वहां रह रहे लोगों को इस जन जागरूकता अभियान से जोड़ते हुए उन्हें नशा और उसका हमारे जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को संदर्भित करते हुए विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया जिसका शीर्षक था 'नशा मुक्त समाज में हमारी जिम्मेदारी'। नाटक के माध्यम से छात्र-छात्राओं द्वारा दिखाया गया कि एक हंसता खेलता परिवार कैसे नशे की लत विशेषकर दोहरा और शराब के सेवन से कैसे बर्बाद हो जाती है? ज्ञात हो कि आज जिस करंजाकला गांव में विद्यार्थियों द्वारा जनजागरुकता अभियान चलाया गया, वहां के ज्यादातर लोग और यहां तक कि छोटे बच्चे भी शराब का सेवन अधिक मात्रा में करते है, जिसका कारण है, गांव में ही सरकारी ठेके की दुकान है। यहां अभियान के बाद महिलाओं और बच्चों से अभियान के समन्वयक डॉ मनोज कुमार पाण्डेय एवं विद्यार्थियों से बात करने के दौरान उनका कहना था कि यहां से शराब का ठेका हट जाए, तो हमारा गांव और हमारे छोटे बच्चों का भविष्य बच सकता है।

उपरोक्त विषय पर लोगों को जागरूक करते हुए डॉ० मनोज कुमार पाण्डेय ने नशे के हानिकारक प्रभाव को बताते हुए इससे दूर रहने की सलाह दी तथा बताया कि कैसे एक इंसान के नशा करने से उसके परिवार के साथ ही साथ समाज का नाश हो रहा है। कैसे

परिवार के अन्य सदस्य नशे से ग्रसित अपने बच्चे, पति, भाई तथा अन्य को नशे से मुक्त होने में अपनी महत्ती भूमिका अदा कर सकते है? आज के कार्यक्रम में सहयोगी के रूप में जनपद के बच्चों के डॉ० नवनीत सोनकर ने गांव में नशे से प्रभावित बच्चों को नशे से दूर रहने एवं बचाव के बारें में विस्तार से अवगत कराया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान के छात्र दिव्या, पवन, सोनाली, अनिकेत, सत्य प्रकाश, अंजलि, भूमिका, कीर्ति, ईशिता, प्रतिभा, शिवांश, संजीव, रश्मि, प्रिया आदि द्वारा नाटक का मंचन किया गया।

दिनाँक : 02.10.2023 दिन : अष्टम

जागरूकता सप्ताह (25-02 ऑक्टूबर, 2023) कार्यक्रम का समापन

नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्र, वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

• उमानाथ सिंह राज्य चिकित्सा स्वशासी महाविद्यालय, जौनपुर • व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग
• राष्ट्रीय सेवा योजना एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में

"MISSION DRUG FREE CAMPUS AND SOCIETY"

'Say No to Drugs'

जन–जागरूकता सप्ताह का समापन

दिनांक : 02 अक्टूबर, 2023 दिन : सोमवार समय : 11.00 बजे दिन

मुख्य अतिथि : डॉ० सचिदानंद यादव
निदेशक एहसास नशा मुक्ति केंद्र, गोरखपुर

विशिष्ट अतिथि : श्री संत प्रसाद उपाध्याय
क्षेत्राधिकारी सदर, जौनपुर

अध्यक्षता : प्रो. वंदना सिंह, कुलपति, वी.ब.सि. पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

श्री उमाशंकर	श्री महेन्द्र कुमार	प्रो० अजय द्विवेदी	डॉ० मनोज कुमार पाण्डेय
वित्त अधिकारी	कुलसचिव	अधिष्ठाता छात्र कल्याण	कार्यक्रम समन्वयक एवं नोडल अधिकारी
वी०व०सिं० पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर	वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर	वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर	(एंटीनारकोटिक्स ड्रग एण्ड एडिक्शन)

अभियान के अंतिम दिन दिनाँक 02.10.2023 को उपर्युक्त विषय पर रंगोली एवं पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसी दिन **'नशा मुक्त हो परिसर एवं समाज अपना'** पर छात्रों एवं कर्मचारियों हेतु विशेषज्ञयों द्वारा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। अन्त में समापन सत्र में, समाज के ऐसे रोल माडल, जिन्होंने अपने संयमित जीवन शैली से मादक पदार्थों एवं द्रव्यों के सेवन से दूर अपने को अभी तक बचाए रखा है तथा ऐसे लोग जिन्होंने इन मादक पदार्थों एवं द्रव्यों के नशे से सफलतापूर्वक छुटकारा पाया अथवा लोगों को दिलाया है, विश्वविद्यालय द्वारा ऐसे लोगों को सम्मानित किया गया।

समापन कार्यक्रम में लिए गए कुछ छाया चित्र

विद्यार्थियों द्वारा बनाये गये रंगोली का अवलोकन करती मा० कुलपति प्रो वंदना सिंह एवं अन्य अतिथिगण

Say no to Drugs
Mahak
Chaini
Khaini
Yoga
heals
every
Problems
Do
meditation

मा० कुलपति जी एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन करते हुए

मा० कुलपति जी का अंगवस्त्रम एवं पुष्प-गुच्छ देकर स्वागत करते हुए प्रो अजय द्विवेदी

विशिक्ष अतिथि का अंगवस्त्रम एवं पुष्प-गुच्छ देकर स्वागत करते हुए डॉ मनोज कुमार पाण्डेय

मुख्य अतिथि का स्वागत करता हुए छात्र आदित्य कुमार

मा० कुलपति जी द्वारा नशा उन्मूलन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे व्यक्तियों को प्रमाण पत्र से सम्मानित करते हुए

श्री उमाशंकर
वित्त अधिकारी

श्री उमाशंकर
वित्त अधिकारी

मा० कुलपति जी द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र से सम्मानित करते हुए

"MISSION DRUG FREE CAM
'Say No to Dr
जन-जागरूकता सप्ता

विजेता प्रतिभागियों के साथ सामूहिक फोटो

समापन कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन देते हुए विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो० अजय द्विवेदी

एहसास नशा मुक्ति केंद्र, गोरखपुर के निदेशक एवं प्रशिक्षक डॉ सचिदानंद यादव एवं मनोचिकित्सक डॉ विनोद वर्मा से प्रशिक्षण के पश्चात प्रमाणपत्र प्राप्त करते टीम नशा मुक्त परिसर एवं समाज के सदस्य

नशा मुक्ति पर प्रतिभाग कर रहे प्रशिक्षणार्थियों के साथ समूह फोटो

समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार

नशे को तन से नहीं, मन से निकालने की जरूरत : सच्चिदानंद यादव

जौनपुर। मिशन ड्रग फ्री कैंपस एंड सोसाइटी अभियान के तहत वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नशा मुक्ति व पुनर्वास केंद्र और व्यावहारिक मनोविज्ञान, छात्र अधिष्ठाता एवं उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में सोमवार को जन जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एहसास नशा मुक्ति केंद्र गोरखपुर के निदेशक सच्चिदानन्द यादव ने कहा कि नशा मुक्ति के लिए विद्यालयों में पाठ्यक्रम बनाना चाहिए। बतौर अध्यक्ष विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि बचपन से ही बच्चों के संस्कार को नशा विहीन बनाने की कोशिश करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारे देश में युवाओं की संख्या अधिक है, ऐसे में युवाओं को नशे की लत से रोकना जरूरी है। उन्होंने कहा कि लोग पुलिस से अपेक्षाएं तो बहुत करते हैं लेकिन सहयोग नहीं करते। छात्र अधिष्ठाता प्रो. अजय द्विवेदी ने अतिथियों को स्वागत किया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. मनोज पांडेय ने पूरे सप्ताह के कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन छात्र उद्देश्य सिंह ने किया। इस अवसर पर पूरे सप्ताह हुए वाद-विवाद, रंगोली, कोलाज, नुक्कड़ नाटक, निबंध, पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों को कुलपति ने पुरस्कृत किया। साथ ही प्रबंध संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. बीडी शर्मा को नशा मुक्ति के क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इसके पूर्व एक युद्ध नशे के विरुद्ध पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, डॉ. एए जाफरी, प्रो. रामनारायण, प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ. गिरधर मिश्र, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. पुनीत धवन, डॉ. लक्ष्मी मौर्य, राजेंद्र सिंह, सुशील कुमार प्रजापति, प्रशासनिक अधिकारी, विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जनसंदेश टाइम्स प्रा.लि.के लिए प्रवीण कुमार कुशवाहा, सी 28 /121, तेलियाबाग, प्रथम तल, वाराणसी से प्रकाशित एवं मीडिया टेक्स्ट (Media Text) प्रा.लि. प्रेस, रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित।
प्रधान सम्पादक – सुभाष राय
स्थानीय सम्पादक -प्रवीण कुमार कुशवाहा
पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बन्धित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।
फोन नं. 8177008889
आरएनआई नं. UPHIN/2012/46221
डाक पंजीयन सं.: जीपीओएलडब्ल्यू / एनपी – 78/2011-13।

ऑनलाइन समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार

https://satydarpannews.blogspot.com/2023/10/blog-post_96.html

जागरूकता सप्ताह (25-02 ऑक्टूबर, 2023) का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि

'न हम नशा करेंगे और न दूसरों को नशा करने देंगे'

कॉपीराइट@वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर